दोस्त की बीवी की चुदाई की सेटिंग-1

“दोस्त की बीवी की चुदाई का मजा लेने के बाद उसे इस बात का चस्का पड़ गया. इस चस्के को पूरा करने के लिए उसने खुद अपनी बीवी अपने दोस्त से चुदवाने की सोची. ...”

Story By: sunny Verma (sunnyverma)
Posted: Friday, May 19th, 2017
Categories: बीवी की अदला बदली
Online version: दोस्त की बीवी की चुदाई की सेटिंग-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दोस्त की बीवी की चुदाई की सेटिंग-1

दोस्तो, आपने मेरी पिछली कहानी
जवान बीवी की चूत चुदाई दोस्त से होते देखने का मजा

जवान बीवी की चूत चुदाई दोस्त से होते देखने का मजा-1

में आपने पढ़ा कि रवि ने अपनी बीवी सपना और अपने दोस्त आशु के बीच नजदीकियाँ बढ़नें दी और बात चैटिंग से शुरू होकर बेड पर घमासान सेक्स तक जा पहुंची।
आशु की बीवी नेहा जो गवर्नमेंट जॉब में है, वह आशु के पास भोपाल सिर्फ शनिवार और इतवार को ही आ पाती थी।

अब सपना भी 3-4 दिनों के लिए इन्दौर अपनी कजिन रिया के पास जा रही है… हालाँकि प्रोग्राम तो इसलिए बनाया था कि रिया के पति सुनील को विदेश जाना था एक हफ्ते के लिए, पर उसका वो प्रोग्राम पंद्रह दिन बाद के लिए टल गया और रिया जिद कर गई सपना से कि जब तूने प्रोग्राम बना ही लिया है तो आ जा, जब सुनील जायेगा तब मैं तेरे पास आ जाऊँगी।

उधर आशु की बीवी नेहा का भी ट्रान्सफर भोपाल ही हो गया तो वो भी सन्डे को सामान लेकर आ गई। आशु को अब सपना का नशा चढ़ चुका था तो वो परेशान था कि अब सपना कैसे मिलेगी जब नेहा यहाँ है।
उसे बस एक ही रास्ता नजर आ रहा था कि अगर नेहा तैयार हो जाए तो वो चारों मौज कर सकते हैं।

अब नेहा से वो कैसे कहे… यह उसकी समझ में नहीं आ रहा था। उसने सपना को जब यह बात बताई तो सपना ने कहा कि यही ठीक होगा क्योंकि भले ही रवि कुछ न कह रहा हो पर सपना के मन में तो पश्चाताप रहता ही है।
सपना ने आशु को यह भी बता दिया कि अचानक कुछ हो जाए तो पता नहीं… वैसे रवि तैयार नहीं होगा इसके लिए क्योंकि वो सपना का दीवाना है और इसीलिए सपना के मन में भी पश्चाताप है, पर वो भी क्या करती क्योंकि इस जाल में उसे फंसाया तो रवि ने ही था।

नेहा सन्डे को सामान लेकर आई और थक कर सो गई। उसने अगले दो दिन की छुट्टी ली हुई थी और दोपहर का खाना आशु ने होटल से मंगा लिया था।
आशु ने नेहा का सामान अनपैक करके उसकी अलमारी में लगा दिया। वैसे सामान तो ज्यादा नहीं था बस दो अटैची थीं।

तभी आशु चौंक गया जब उसे नेहा के मेकअप किट में कंडोम मिले… आशु का दिमाग घूम गया। नेहा प्रेगनेंट न होने के लिए टेबलेट लेती थी और वो टेबलेट भी उसकी यहीं भोपाल में रखी रहती थीं, फिर ये कंडोम… हालाँकि पैकेट नया था, सील्ड और इम्पोर्टेड था।
उसने सोचा कि नेहा ने उसे मजा देने के लिए खरीदा होगा… आशु ने चुपके से वो पैकेट उसके वैनिटी केस में रखा और नेहा का फोन लिया और टॉयलेट में जाकर दरवाजा बंद करके व्हाट्सएप और मैसेज खंगाले।

इसमें नेहा के बॉस कबीर के नंबर से व्हाट्सएप्प पर इमेज वाले मेसेज थे… निश्चित रूप से उनके बीच काफी खुलापन था क्योंकि मेसेज लिप टू लिप किस.. आई मिस यू.. वेटिंग.. इस तरह के थे।

अब आशु क्या कहता वो भी तो ऐसे ही मेसेज सपना को करता है।

तभी बाहर आहट हुई तो नेहा का मोबाइल छिपा कर वो बाहर आया, नेहा उठ चुकी थी और अपना फोन ढूंढ रही थी।
आशु ने बड़ी सफाई से ढूँढने के बहाने फोन नेहा को दिया।

नेहा ने उसे किस करके सामान खाली करने को थैंक्स बोला।
नेहा नहाने जा रही थी तो उसने आशु को भी बाथरूम में खींच लिया… दोनों मस्ती करते हुए नहाये।

आज उसे नेहा बदली बदली नजर आ रही थी। एक तो पिछले सन्डे नेहा आई नहीं थी और उससे पिछली बार जब वो आई थी तब उसे पीरियड्स हो रहे थे तो उनके बीच सेक्स नहीं हुआ था।

लंच आ चुका था.. नहाकर दोनों ने सिर्फ टॉवल ही लपेटे और बेड पर बैठ कर लंच लिया।

लंच के बाद सपना ने उसको बेड पर ही लिटा लिया और दोनों सेक्स क्रिया में जुट गये।
आशु के दिमाग में कंडोम था तो उसने पूछ ही लिया कि टेबलेट ले रही हो या कंडोम लाऊँ?
नेहा हंसी और बोली- अब कंडोम कहाँ से लाओगे, चलो अब गड़बड़ हो भी गई तो क्या, एक कर ही लेते हैं।
आशु से पूछा नहीं गया कि वो कंडोम कैसे हैं।

सेक्स के बाद दोनों ऐसे ही लेटे रहें.. आशु की आँख लग गई।
जब वो एक घंटे बाद उठा तो उसने नेहा को अपनी अलमारी ठीक करते देखा।

उसको उठा देख कर नेहा चाय बनाने चली गई तो आशु ने उसका वेनिटी केस देखा, अब कंडोम उसमें नहीं थे। आशु समझ गया कि नेहा वहां किसी के साथ सेक्स करती थी तभी

उसके पास ये कंडोम थे।
उसे बहुत गुस्सा आया पर तभी उसने सोचा कि आखिर वो भी तो यहाँ यही करता था। पर अब मूड तो खराब हो ही गया था।

नेहा ने रात तक उससे पूछा- क्या बात है मूड क्यों ख़राब हो गया है ?
पर आशु कुछ नहीं बोला।

रात को नेहा के फोन पर कबीर का फोन आया जिससे नेहा ने बड़े हंस कर बात करी।
बाद में आशु ने नेहा से पूछा- कौन था ? बड़ी हंस कर बात हो रहीं थीं।
नेहा बोली- कबीर का फोन था !
वैसे तो वो उसके बॉस थे पर अच्छे दोस्त भी थे दोनों ! कबीर की फॅमिली भी उनके साथ नहीं थी तो कई बार वो डिनर पर उन्हें बुला लेती थी।

आशु से रहा नहीं गया पूछे बिना कि डिनर के बाद वो जाता था या वहीं रुक जाता था।
नेहा ने तमक कर जबाब दिया- क्या कहना चाहते हो… मुझे ऐसी लड़की समझते हो ?

बात बढ़ चुकी थी.. अब आशु ने भी कंडोम की बात कह दी और मोबाइल में मेसेज भी दिखा दिए।
नेहा टूट गई, रो पड़ी, बोली- अभी पिछले महीने ही हम दोनों के शारीरिक सम्बन्ध एक रात को अचानक हो गए, क्योंकि उस रात बारिश काफी होने से कबीर नेहा के फ्लैट पर ही रुक गया था।

उसके बाद तो लगातार एक हफ्ते वो लोग रोज सेक्स करते, पर अचानक कबीर की बीवी बहुत बीमार पड़ गई और कबीर को चेन्नई जाना पड़ा, पर जाते जाते दोनों ने ये तय किया कि जो हो गया, वो हो गया, अब दोनों ही अपने पार्टनर्स को धोखा नहीं देंगे।
चेन्नई से आने के बाद कबीर ने उसे छुआ तक नहीं है पर दोनों हंसी मजाक आज भी खूब

करते हैं।

नेहा ने इस सबके लिए आशु से माफ़ी मांगी और कहा कि वो हर सजा भुगतने को तैयार है। अगर आशु चाहे तो वो उसे छोड़ भी सकता है क्योंकि उसने उसे धोखा दिया है।

आशु ने सोचा कि नेहा तो उससे बहुत अच्छी है, कम से कम वो अपनी गलती मान तो रही है और एक वो है कि सच कहने का उसमें साहस नहीं है।
उसने नेहा को गले लगा लिया और कहा- जो हुआ उसे भूल जाओ।

आशु ने उससे यह भी कहा कि वो कभी उसे कबीर से मिलने से या बात करने से नहीं टोकेगा और अगर कभी नेहा कबीर के साथ रात गुजारनी चाहे तो बस वो आशु को बता दे, आशु को ऐतराज नहीं होगा।
नेहा बोली- नहीं अब कभी ऐसा नहीं होगा क्योंकि कबीर और मैं दोनों अच्छे दोस्त होकर बहुत खुश हैं।

नेहा ने आशु से पूछा कि उसे बुरा नहीं लगा यह जान कर तो आशु बोला- इसमें बुरा कुछ नहीं है, बस कभी ऐसा हो जाये तो पार्टनर को बता देना चाहिए।
हालाँकि उसकी हिम्मत अभी भी नहीं थी सपना के बारे में नेहा को कुछ बताने की!

रात को बेड पर जब यह टॉपिक दोबारा आया तो आशु ने नेहा से कहा- एक शर्त पर मैं यह बात हमेशा के लिए भूल जाऊँगा अगर नेहा हमेशा ऐसी ही मस्ती और बदमाशी करती रहे।
नेहा ने भोलेपन से पूछा- क्या मतलब?

तो आशु बोला- अगर तुम किसी और के साथ फ़्लर्ट करोगी तो रात को बेड पर मुझे भी ज्यादा मजा दोगी। भगवान् ने हमारे लंड और चूत बनाए ही मजा लेने के लिए हैं। बस

फिर कभी ऐसा हो जाए तो मजा पूरे लेना, डरना नहीं, बस बाद में मुझे बता देना !

नेहा ये सब सुन कर गर्म हो गई थी, उसने आज आशु के ऊपर चढ़ कर उसका देह शोषण किया।
यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

अगले दिन आशु तो ऑफिस चला गया.. नेहा की दो दिन की छुट्टी थीं। दोपहर को आशु ने नेहा से कहा कि रात को रवि को डिनर पर बुला लेते हैं और अगर ठीक लगे तो दो तीन दिन रात को वो डिनर हमारे यहाँ ही कर लेगा।
नेहा एक बार सपना से मिली थी, दोनों के बीच खूब बातें हुई थी, तो नेहा ने तुरंत हाँ कर दी और आशु ने रवि को फोन करके रात को आने के लिए कह दिया।

नेहा ने दोबारा फोन करके आशु से पूछा- क्या बनाऊँ और मैं क्या पहनूं, साड़ी या सलवार सूट ?
इस पर आशु ने कहा- रवि और सपना बहुत खुले विचारों के हैं, तुम रूटीन में जो पहनती हो, वही पहन लो, कोई फॉर्मेलिटी नहीं है।
आशु रात को 7 के बाद ही घर पहुंचा तो देखा नेहा ने बहुत अच्छा इंतजाम किया रखा है। उसने स्टार्टर में फ्रूट चाट और बियर रखी थी और डिनर भी खुशबूदार था।

नेहा ने डीप बेक वाली मैक्सी पहनी थी जो उसके हिप्स से चिपकी हुई थी।
आशु ने उसको अपने से चिपटाते हुए जब उसके हिप्स पर हाथ लगाया तो उसने महसूस किया कि पेंटी लाइन न दिखे इसलिए नेहा ने पेंटी नहीं पहनी थी। उसके मम्मे तो बाहर निकले पड़ रहे थे। आज उसने अपने नेल भी पेंट किये थे, जबकि जॉब पर होने पर वो नेल पेंट नहीं करती थी।

आशु को बहुत अच्छा लगा, सही मायनों में उसे अपना घर आज घर लगा और नेहा सपना

से किसी भी मायने में इक्कीस ही लग रही थी।
आशु फटाफट नहाकर तैयार हो गया।

8 बजे करीब रवि आया, नेहा ने बहुत हंस कर उसका स्वागत किया। ड्राइंग रूम में बैठे बियर की मौज लेते आशु ने महसूस किया कि रवि की निगाहें नेहा से हट ही नहीं रही थीं। नेहा को बियर से कोई ऐतराज नहीं था तो वो भी साथ ही बैठी थी और इन दोनों के हंसी मजाक में हिस्सा ले रही थी।

चूंकि नेहा बाहर रह आई थी इस लिए पराये मर्दों से बात करने में उसे कोई संकोच नहीं था, और आशु ने उसको बोल ही दिया था कि रवि को इम्प्रेस करना है।

तभी आशु को कोई फोन आ गया और वो उससे बात करता हुआ बाहर टेरेस पर आ गया। कॉल ख़त्म करके जब वो कमरे में दाखिल हुआ तो उसने देखा कि नेहा और रवि काफी घुल मिल कर बात कर रहे हैं।

उसको आता देख कर नेहा बोली- क्या यार, रात को फोन बंद कर दिया करो।
नेहा खड़ी हुई डिनर लगाने के लिए… पीछे से उसकी मैक्सी उसके चूतड़ों की दरार में घुस गई थी, जिसे रवि उम्म्ह… अहह… हय… याह… ललचाई निगाहों से देख रहा था।
आशु की बियर अभी बाकी थी और रवि और नेहा ख़त्म कर चुके थे तो आशु ने नेहा से कहा- अभी डिनर के लिए रुको, क्या जल्दी है, मैं फिनिश कर लूँ।असल में आशु ने बियर में थोड़ी सी व्हिस्की मिला दी थी इसलिए वो आराम से पी रहा था।

नेहा वापिस बैठ गई पर अबकी बार वो रवि के पास बैठी। बोतल में थोड़ी बियर बाकी थी तो उसने वो रवि के गिलास में डाल दी और रवि से पूछा कि क्या व्हिस्की मिला दूं?
रवि को अब नेहा का नशा चढ़ चुका था, उसने हाँ कर दी।

नेहा ने थोड़ी सी व्हिस्की टपका दी और गिलास रवि को ऑफर कर दिया। रवि ने कहा- आपका गिलास ?
तो नेहा बोली- मैं ज्यादा नहीं लेती। ये तो आप दोनों का साथ देने के लिए ले लिया।

नेहा ने म्यूजिक प्लेयर ऑन कर दिया, बहुत लाइट डांस म्यूजिक था.. नेहा ने आशु की ओर हाथ बढ़ाया डांस के लिए तो आशु खड़ा हुआ और नेहा को चिपटाते ही बहुत आराम से डांस करने लगा, पर उसका फोन फिर बज उठा।
नेहा नाराज भी हुई, पर फोन बॉस का था, जरूरी था बात करना… तो आशु ने रवि से मुस्कुरा कर कहा- आप कंपनी दो नेहा को !
और फोन लेकर बाहर चला गया।

रवि ने नेहा का हाथ थमा, उसे 440 वोल्ट का करंट लगा.. दूसरा हाथ उसने नेहा की कमर पर रखा, नेहा ने अपना दूसरा हाथ उसके कंधे पर रखा और दोनों डांस करने लगे।
नजदीकियाँ दोनों को मदहोश कर रही थीं और आशु के गैरमौजूदगी ने उन्हें और करीब कर दिया। अब रवि का हाथ उसकी चिकनी पीठ पर था और नेहा के मम्मे लगभग रवि को छू रहे थे।
नेहा ने आशु को देखने के लिए टेरस की ओर निगाह करी तो उसे वो दिखाई नहीं दिया, हाँ फोन पर उसकी आवाज आ रही थी।
रवि उसके और नजदीक हुआ।
अब नेहा ने भी अपने दोनों हाथ उसकी गर्दन पर लपेट लिए थे और रवि की छाती पर अपने मम्मे टिका दिए।

रवि ने उसे एक बार तो भींच ही लिया और बहुत हल्के से उसके माथे को चूम लिया। तभी नेहा को एहसास हुआ कि आशु अन्दर आ सकता है तो वो अलग हुई और रवि से बोली- मैं डिनर लगाती हूँ।

नेहा किचन में जाकर सामान ले आई और डिनर सर्व किया।
तीनों ने डिनर किया और रवि 10 बजे करीब घर चला गया।

रात को बेड पर नेहा ने आशु का लंड दो बार निचोड़ा और आशु को रवि के किस के बारे में बता दिया। जिस पर आशु ने मुस्कुरा कर कहा- कोई बात नहीं, यह तो कॉमन सी बात है।
पर चुदाई के दौरान आशु ने नेहा से कहा कि अगर नेहा चाहे तो वो उसे रवि से चुदवा सकता है।
इस पर कामाग्नि में जलती नेहा बोली- चूत को तो लंड चाहिए। अब जब तुम्हारा लंड है तो दूसरे की क्या जरूरत ?

आशु बोला- अगर दो चोदेंगे तो मजा ज्यादा आएगा..
नेहा बोली- अगर फट गई तो ?
दोनों हँस पड़े और चुदाई करके चिपट कर सो गए।

दोस्त की बीवी की चूत चुदाई की सेक्स स्टोरी जारी रहेगी।
enjoysunny6969@gmail.com